Department of Higher Education,
Govt. of Chhattisgarh

FOUR YEARS UNDER GRADUATE PROGRAM (2024-28)

PROGRAMME : BACHELOR IN ARTS AND HUMANITIES

DISCIPLINE - HINDI

Curriculum & Credit Scheme (Syllabus)

of

DISCIPLINE - HINDI

Certificate/Diploma/Degree /Honors Course

According to NEP-2020

Semester System for all Colleges of Chhattisgarh State
(As per UGC LOCF and Credit System)

w.e.f. 2024-25

Scanned with CamScanner

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM - (2024-28)
DEPARTMENT OF HINDI
COURSE CURRICULUM

PART -A : Introduction			
Program: Bachelor in Arts Certificate/Diploma/Degree/Honors		Semester - I	Session: 2024-25
1	Course Code	HNSC-01	
2	Course Title	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	
3	Course Type	DSC	
4	Pre-requisite (if any)	As per requirement	
5	Course Learning Outcome (CLO)	1. विद्यार्थी साहित्येतिहास, काल विभाजन एवं नामकरण संबंधी ज्ञान से अवगत हो सकेंगे। 2. युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों के आधार पर साहित्य और समाज के अन्तर्सबंधो को समझ पाने में सक्षम हो सकेंगे। 3. युगीन सामाजिक सांस्कृतिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में व्यापक दृष्टिकोण की समझ का विकास हो सकेगा। 4. आदिकाल से रीतिकाल तक के सम्पूर्ण रचनाकारों की रचनाओं और उसके विविध विषयों पर विश्लेषणात्मक विचारशीलता का विकास हो सकेगा। 5. हिन्दी गद्य के आविर्भाव के प्रधान कारणों एवं परिस्थितियों को समझ सकेंगे।	
6	Credit Value	4 Credits	(01 Credit = 15 Hours - learning & Observation)
7	Total Marks	Maximum Marks : 100	Minimum Passing Marks : 40

PART -B : Content of the Course		
Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per Period) - 60 Periods (60 Hours)		
Unit	Topics (Course Contents)	No. of Period
I	हिन्दी साहित्य का इतिहास व काल विभाजन – अ. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, समस्या ब. हिन्दी साहित्य के इतिहास का कालविभाजन व नामकरण	15
II	आदिकाल – अ. आदिकाल : सामान्य परिचय प्रमुख प्रवृत्तियां व कवि, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य ब. रासो काव्य, लौकिक साहित्य, जैन साहित्य	15
III	भक्तिकाल – अ. भक्तिकाल : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियां व कवि । निर्गुण भक्तिधारा (प्रेममार्गी, ज्ञानमार्गी) ब. सगुण भक्तिधारा (रामकाव्य, कृष्णकाव्य)	15
IV	रीतिकाल – अ. रीतिकाल : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियां व कवि ब. रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा	15
Keywords		

Signature of Convener & members (CBos) :

11/6/2024 11/6/24 11-06-2024

Scanned with CamScanner

PART -C : Learning Resource

Text Books, Reference Books and Others

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य उदभव और विकास – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य युग और प्रवृत्तियां – डॉ. शिवकुमार शर्मा
6. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास – डॉ. सरयूकांत शास्त्री
7. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – राम कुमार वर्मा, लोक भारती प्रकाशन प्रयागराज
9. हिन्दी भाषा साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन – डॉ. आर.के.पाण्डेय, शताक्षी प्रकाशन रायपुर

Online Resources -

1. epgpathshala
2. https://www.hindwi.org

PART -D : Assessment And Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods :
Maximum Marks : 100 Marks
Continuous Internal Assessment (CIA) : 30 Marks
End Semester Exam (ESE) : 70 Marks

Coninuous Internal Assessment : (CIA) : (By Course Teacher)	Internal Test/Quiz-(2) : 20 & 20 Marks Assignment/Seminar - 10 Total Marks 30	Better marks out of the two Text/Quiz obtained marks in assignment shall be considered against 30 Marks
End Semester Exam (ESE) :	Two Section - A&B Section A : Q1 Objective - 10X1=10 Marks Section A : Q2 Short Answer Type - 5X4=20 Marks Section B : Descriptive Answer Type Qts. 1 out of 2 From Each Unit - 4X10=40 Marks Total =70 Marks	

Name and Signature of Convener & Members of CBoS:

11/6/2024 11/6/24

11-06-2024

Scanned with CamScanner

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM - (2024-28)
DEPARTMENT OF HINDI
COURSE CURRICULUM

PART -A : Introduction			
Program: Bachelor in Arts Certificate/Diploma/Degree/Honors		Semester - II	Session: 2024-25
1	Course Code	HNSC-02	
2	Course Title	हिन्दी साहित्य का इतिहास – आधुनिक काल	
3	Course Type	DSC	
4	Pre-requisite (if any)	As per requirement	
5	Course Learning Outcome (CLO)	1. युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों के आधार पर विद्यार्थी पुनर्जागरण काल एवं जागरण सुधार काल के प्रमुख रचानाकारों की उपादेयता को गहनता से समझ सकेंगे। 2. हिन्दी पद्य के साथ गद्य के क्रमबद्ध विकास को समझ सकेंगे। 3. छायावाद एवं छायावादोत्तर काव्य के माध्यम से तद्कालीन स्वतंत्रता आंदोलन की पृष्ठ भूमि से विद्यार्थी अवगत होंगे। 4. स्वातंत्र्योत्तर पद्य और गद्य की विभिन्न विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी बदलते हुए सामाजिक–सांस्कृतिक मूल्यों को समझने में सक्षम हो सकेंगे। 5. भूमण्डलीकरण के दौर में युगीन हिन्दी साहित्य को विश्व साहित्य के समानान्तर रख कर मूल्यांकनपरक दृष्टि एवं समझ का विकास हो सकेगा।	
6	Credit Value	4 Credits	(01 Credit = 15 Hours - learning & Observation)
7	Total Marks	Maximum Marks : 100	Minimum Passing Marks : 40

PART -B : Content of the Course		
Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per Period) - 60 Periods (60 Hours)		
Unit	Topics (Course Contents)	No. of Period
I	आधुनिक काल व हिन्दी नवजागरण – भातेन्दु युग अ. आधुनिक काल की राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, हिन्दी नवजागरण ब. भारतेन्दु युग – प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं साहित्यिक विशेषताएं	15
II	द्विवेदी युग व छायावाद अ. द्विवेदी युग के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएं ब. छायावाद के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएं	15
III	छायावादोत्तर काल (विभिन्न प्रवृत्तियाँ) अ. प्रगतिवाद व प्रयोगवाद के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएं ब. नई कविता व समकालीन कविता के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएं	15
IV	हिन्दी गद्य का विकास अ. कहानी एवं उपन्यास का उद्‌भव एवं विकास, सामान्य प्रवृत्तियां व प्रमुख कथाकार, उपन्यासकार ब. निबंध एवं नाटक का उद्‌भव एवं विकास, सामान्य प्रवृत्तियां व प्रमुख निबंधकार तथा नाटककार	15
Keywords		

Signature of Convener & members (CBos) :

11/6/2024

11/6/24

11-06-2024

Scanned with CamScanner

PART -C : Learning Resource

Text Books, Reference Books and Others

1. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भारतेन्दु हरिशचंद्र और हिन्दी नवजागरण – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. छायावाद की प्रासंगिकता – रमेशचन्द्र शाह, वाग्देवी प्रकाशन बिकानेर
4. नवजागरण की समस्याएं – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भारतेन्दु की रंग परिकल्पना – सत्येन्द्र तनेजा
6. छायावादोत्तर प्रतिनिधि कवि और उनकी कविताएं – विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
7. हिन्दी गद्य का विकास – भारतेन्दु हरिशचंद्र
8. आधुनिक हिन्दी गद्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. भारतेन्दु युग – डॉ.सत्यपाल शर्मा
10. हिन्दी नाटक उदभव और विकास – दशरथ ओझा, राजपाल प्रकाशन
11. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

Online Resources -

1. E-Adhyayan
2. https://epustakalay.com.book
3. info@hindibook.com

PART -D : Assessment And Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods :
Maximum Marks : 100 Marks
Continuous Internal Assessment (CIA) : 30 Marks
End Semester Exam (ESE) : 70 Marks

Coninuous Internal Assessment : (CIA) :	Internal Test/Quiz-(2) : 20 &	Better marks out of the two
End Semester Exam (ESE) :		Two Section - A&B

Name and Signature of Convener & Members of CBoS:

11/6/2024 11/6/24

11-06-2024

Scanned with CamScanner